लखनऊ
सोमवार, 10 जुलाई 2023
वर्षः-07 अंकः-50
पृष्ठः-8 मूल्यः- 2 रुपये
RNI- UPHIN/2016/74800

हिन्दी साप्ताहिक

करण वाणी

नई सोच, नया जुनून.....

अगर खुद से नहीं हारे तो आपकी जीत निश्चित है।।

कांग्रेस लूट की दुकान.. झूठ का बाजार, पीएम मोदी के बयान से बढ़ा राजस्थान का सियासी पारा

करण वाणी, न्यूज

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राजस्थान में सत्तारूढ़ कांग्रेस पर शनिवार को निशाना साधते हुए उसे लूट की दुकान व ह्यझूठ का बाजार बताया और तंज कसते हुए कहा कि ह्यजब जनता का पारा चढ़ता है तो सत्ता की गर्मी उतरते व सत्ता बदलते वक्त नहीं लगता, बीकानेर के पास नौरंगदेसर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा, राज्य की कांग्रेस नीत सरकार ने बीते चार साल में राजस्थान का बहुत नुकसान किया है और अगले विधानसभा चुनाव में अपनी संभावित हार को देखते हुए वह अभी से ह्यबाय बाय मोड (अलविदा की मुद्रा) में आ गई है।

सभा में मौजूद लोगों के उत्साह की ओर इशारा करते हुए मोदी ने कहा यह उत्साह बताता है कि राजस्थान में मौसम का पारा ही नहीं चढ़ा है बल्कि कांग्रेस सरकार के खिलाफ जनता का पारा भी चढ़ चुका है और ह्यह्यजब जनता का पारा चढ़ता है तो सत्ता की गर्मी उतरते व सत्ता बदलते वक्त नहीं लगता।

उन्होंने कहा, ह्यह्यराजस्थान में कांग्रेस की हार इतनी सुनिश्चित है कि यहां की सरकार अभी से बॉय-बॉय मोड में आ गई है। उन्होंने दावा किया कि राज्य के कुछ मंत्री-विधायक तो अभी से अपने सरकारी बंगले खाली कर अपने निजी मकानों में जाने लगे हैं। उन्होंने कहा कि अपनी हार का इतना भरोसा तो सिर्फ राजस्थान के कांग्रेस नेता ही कर सकते हैं।

मोदी ने कहा कि पुरानी कहावत है कि दीया बुझने से पहले जोर से लपलपाता है, अपनी हार के डर से कांग्रेस भी ऐसा ही कर रही है. उन्होंने कहा कि वह राजस्थान के लोगों को गुमराह करने पर उतर आई है ह्यह्यलेकिन आपको याद रखना है कि कांग्रेस का एक ही मतलब है... लूट की दुकान, झूठ का बाजार।

कांग्रेस के हालिया वादों को उनके लूट का इरादा और झूठा का पिटारा बताते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस की झूठ व छलावे की राजनीति का सबसे अधिक शिकार राजस्थान का किसान हुआ है. प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, राजस्थान में परिवहन संपर्क के क्षेत्र में जितना काम भाजपा सरकार ने किया है, उतना पहले कभी नहीं हुआ. पिछले नौ साल में केन्द्र सरकार जितनी भी योजनाएं लाई... हमारी कोशिश यही रही है, उनका ज्यादा से ज्यादा लाभ राजस्थान को मिले।

उन्होंने कहा, हमने देश में गरीबों के लिए चार करोड़ पक्के मकान बनाए. इसमें से करीब 20 लाख मकान राजस्थान के मेरे गरीब भाइयों-बहनों को मिले हैं. हमने देशभर में करीब 50 करोड़ गरीबों के बैंक खाते खोले. इस वजह से राजस्थान के तीन करोड़ गरीबों को पहली बार बैंक की सुविधा मिली. कोरोना के मुश्किल समय में यही खाते गरीबों की ताकत बने।

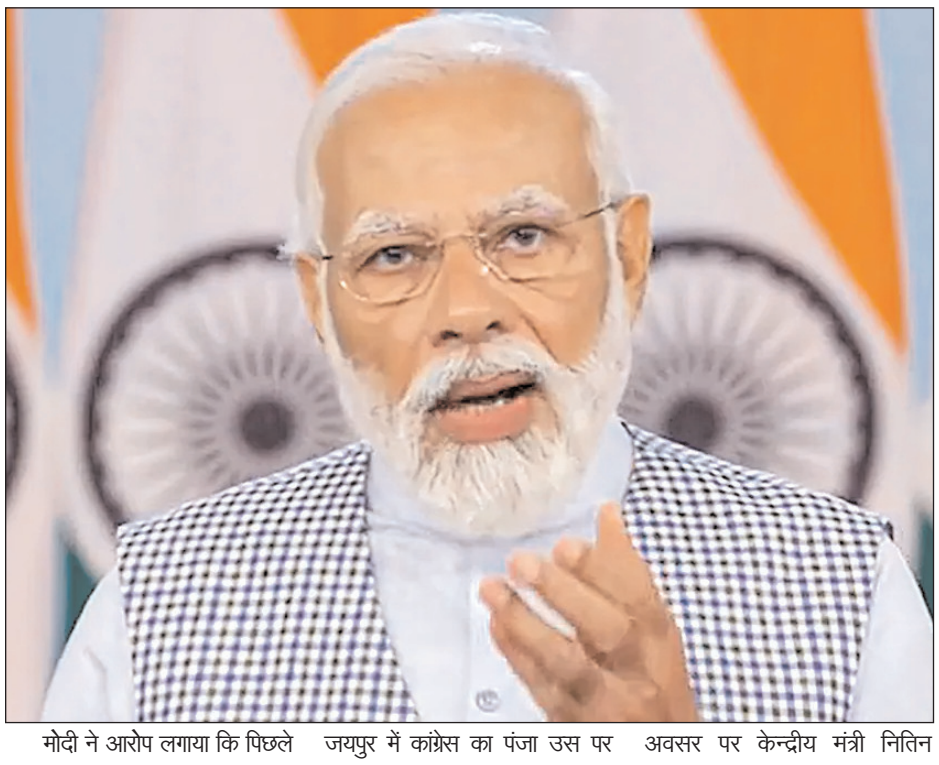

मोदी ने आरोप लगाया कि पिछले चार साल में राजस्थान में हालात ऐसे रहे हैं कि ह्यह्यहम दिल्ली से योजनाएं राजस्थान में भेजते हैं, लेकिन यहां जयपुर में कांग्रेस का पंजा उस पर झपट्टा मार देता है. कांग्रेस को राजस्थान के लोगों की परेशानी से कोई लेना-देना नहीं है.ह्यह्य इस अवसर पर केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी, अर्जुनराम मेघवाल व राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सहित अनेक नेता मौजूद थे।

DNM GROUP OF INSTITUTIONS
LUCKNOW

पॉलिटेक्निक
डी. फार्मा
बी.ए.
बी.एस.सी

Admission Open

7880341111
www.dnmiet.ac.in
एन.एच.25-ए,कटी बगिया (साई मंदिर के पास), बंथरा, कानपुर रोड, लखनऊ

टिफिन बैठक में भाजपा कार्यकताओं को पढ़ाया समर्पण का पाठ

क्षेत्रीय अध्यक्ष कमलेश मिश्र ने कहा कि पिछले 9 वर्षों में देश में मोदी सरकार की ओर से कई जनकल्याणकारी योजनाओं पर कार्य किए गए हैं..

करण वाणी, न्यूज

लखनऊ। पीएम मोदी के कार्यकाल का नौ वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी द्वारा 30 से मई चलाए जा रहे महा जनसम्पर्क अभियान, सम्पर्क से समर्थन एवं घर घर सम्पर्क अभियान तथा मण्डल टिफिन बैठक की अवधि को 18 जुलाई तक बढा दिया गया है। इन अभियानों को लोकसभा में और गति प्रदान करने के लिए अवध क्षेत्र के क्षेत्रीय अध्यक्ष निराला नगर क्षेत्रीय कार्यालयपर कमलेष मिश्र ने बैठक लेकर, रणनीतिक दिशा निर्देश जारी किया और फिर टिफिन बैठक लेकर इन अभियानों की लोकसभावार समीक्ष की।

क्षेत्रीय अध्यक्ष कमलेश मिश्र ने कहा एक माह से चल रहे इन अभियानों में लोकसभा के 1000 अति विषिश्ट व्यक्तियों को सूची बद्व कर जनपद के वरिश्ठ कार्यकताओं को उनसे सम्पर्क करने के लिए गया था ये अवधि बढा दी गयी है। सभी क्षेत्रीय पदाधिकारीयों से उन्होने आव्हन किया आप लोगो को जो लोकसभा आवंटित किया गया है उसकी अद्तन चिन्ता कर लें और समय से पूर्व ये कार्यक्रम सफल को बनाए।

क्षेत्रीय अध्यक्ष ने कहा कि पिछले 9 वर्षों में देश में मोदी सरकार की ओर से कई जनकल्याणकारी योजनाओं पर कार्य किए गए हैं, कार्यसमिति सदस्य ने देश में आधारभूत संरचनाओं से संबंधित कार्यों, शिक्षा के क्षेत्र में हो रहे कार्यों, स्वास्थ्य के क्षेत्र में उठाये गये क्रांतिकारी कदमों, जम्मू कश्मीर से धारा 370 हटने, श्रीराम मंदिर का निर्माण, आतंकवादी वारदातों में भारी कमी, सेना के बढ़ते मनोबल इत्यादि विषयों पर विस्तार से प्रकाश डाला।

इसके अतिरिक्त घरझघर सम्पर्क अभियान की समीक्ष करते हुए क्षेत्रीय अध्यक्ष ने कहा जब तक प्रत्येक बूथों पर केन्द्र एवं प्रदेश सरकारकी योजनाओं के पत्रक और 2024 में पुनः देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाने के लिए 9090902024 परमिस्डकाल बडी संख्या में नही सम्पन्न हो जाते है तब तक इन अभियानों को गति प्रदान करने के लिए आपको लोकसभा क्षेत्र में प्रवासकर इसकी जिला पदाधिकारीयों के साथ बैठक कर रणनीती को अमली जामा पहनाना होगा।

क्षेत्रीय मीडिया सह प्रभारी आकाश मिश्र मोंटी ने बताया बैठक में अवध क्षेत्र महा जनसम्पर्क अभियान संयोजिका, क्षेत्रीय महामंत्री श्रीमतीनीरज वर्मा, सह संयोजक, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष श्राहुल राज रस्तोगी, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष श्राजीव मिश्रा, डा. श्वेता सिंह, अमित गुप्ता, जितेन्द्रसिंह, क्षेत्रीय मंत्री कमलेश श्रीवास्तव, संजय गुप्ता, विनोद कुमार, मणीन्द्र पाण्डेय, राजकिशोर मौर्या, विकास सिंह, दिलीप यादव, कोषाध्यक्ष सूरज श्रीवास्तव, कार्यालय प्रभारी अखिलेश त्रिपाठी, कार्यालय मंत्री डा. विमल सिंह, सोशल मीडिया संयोजक आयुशबाजपेयी सह संयोजक मनोज त्रिवेदी उपस्थित रहें।

डॉ. राजेश्वर सिंह ने अवैध आप्रवासन और जनसांख्यिकीय परिवर्तन को लेकर चेताया, बोले फ्रांस न बन जाए भारत

2017 का पूवार्नुमान, अगले 40 वर्षों में फ्रांस बन सकता है मुस्लिम बाहुल्य देशः डॉ. राजेश्वर सिंह

करण वाणी, न्यूज

लखनऊ। फ्रांस में मुस्लिम युवक की हत्या के बाद से मची हिंसा और उत्पात के चलते पूरी दुनिया अवैध आप्रवासन के मुद्दे को गंभीरतासे देख रही है। इस मुद्दे पर दुनिया भर के लोग अपनी अलगझअलग प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। वहीं बीजेपी एमएलए डॉ. राजेश्वर सिंह नेअवैध आप्रवासन के कारण हो रहे जनसांख्यिकीय परिवर्तन को लेकर सबको चेताया है।

देश विदेश के ज्वलंत समसामयिक मुद्दों पर अपनी बेबाक राय रखने वाले डॉ. राजेश्वर सिंह ने फ्रांस में हो रहे जनसांख्यिकीय परिवर्तनको लेकर सबका ध्यान आकर्षित किया, साथ ही भारत में भी इस समस्या की बढ़ती जड़ों को प्रति आगाह भी किया है।

अपने ऑफिशियल ट्विटर अकाउंट से ट्वीट करते हुए उन्होंने लिखा कि जनसांख्यिकीय चिंताएं वास्तविक है। साथ ही इस मुद्दे की गंभीरतासे अवगत कराया है। उन्होंने बताया कि कैसे अनियंत्रित अप्रवास के कारण दुनिया का प्रथम शांतिप्रिय देश फ्रांस जल रहा है।

एक अंतर्राष्ट्रीय न्यूज मीडिया संस्थान के हवाला देते हुए डॉ. राजेश्वर सिंह ने बताया कि 2017 में पूवार्नुमान लगाया गया था कि अगले40 वर्षों में फ्रांस में मुस्लिम बहुमत हो सकता है। फ्रांस की श्वेत या मूल निवासी महिलाओं में जन्म दर 1.4 बच्चे प्रति महिला है जबकियह दर 3.4 से 4 बच्चे प्रति मुस्लिम महिला है।

डॉ. राजेश्वर सिंह ने कहा कि भारत के कई हिस्सों को भी अवैध अप्रवास का खामियाजा भुगतना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि अब समयआ गया है कि हम इस समस्या की गंभीरता को समझें और इसको लेकर ठोस कदम उठाए जाएं।

बता दें कि यह पहली बार नहीं है जब डॉ. राजेश्वर सिंह ने देश में हो रहे जनसांख्यिकीय परिवर्तन को लेकर अपनी राय रखी हो। फिल्महृद केरला स्टोरीह्य की रिलीज के बाद भी उन्होंने केरल, पश्चिम बंगाल, जम्मूझकश्मीर में हो रहे जनसांख्यिकीय परिवर्तन को लेकर चिंताजाहिर की थी।

भाजपा के तत्वाधान में आयोजित हुआ व्यापारी महासम्मेलन

करण वाणी, न्यूज

उन्नाव। विशाल कांटिनेंटल उन्नाव में भाजपा के तत्वाधान में उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार संगठन द्वारा व्यापारी महासम्मेलन आयोजितकिया गया। जिसमें मुख्य अथिति के रूप में आबकारी एवम मद्य निषेध राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नितिन अग्रवाल शामिल हुए। जिलासहकारी बैंक के अध्यक्ष अरुण सिंह ने मुख्य अतिथि व वहाँ उपस्थित सभी वरिष्ठ नेताओं को सम्मानित किया।

आबकारी मंत्री नितिन अग्रवाल ने भाजपा एवम व्यापारियों के मध्य मधुर रिश्ते की चर्चा करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार एवममुख्य मंत्री योगी आदित्य नाथ सरकार द्वारा व्यापारी हित में चलाई जा रही जनकल्याणकारी नीतियों की चर्चा की।

महासम्मेलन को भाजपा जिलाध्यक्ष अवधेश कटियार, सदर विधायक पंकज गुप्ता, बांगरमऊ विधायक श्रीकांत कटियार, जिलासहकारी बैंक के अध्यक्ष अरुण सिंह सहित वरिष्ठ भाजपा नेताओ एवम व्यापारियों ने संबोधित किया।

आंगनबाड़ी यशोदा मां के समान निभा रही भूमिकाः राज्यपाल

▶▶ देश और समाज की प्रगति तभी संभव है जब बच्चे और बच्चियां समान रूप से आगे बढ़े

▶▶ जनपद कानपुर देहात में प्रशासन द्वारा नदियों के जीर्णोद्धार हेतु कार्य सराहनीय

करण वाणी, न्यूज

लखनऊ। प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने आज एच0बी0टी0 विश्वविद्यालय कानपुर परिसर में स्थित शताब्दी भवन मेंजिलाधिकारी कानपुर देहात सुश्री नेहा जैन द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में 100 आंगनबाड़ी केन्द्रों को आदर्श आंगनबाड़ी केन्द्रों केरूप में विकसित किये जाने हेतु आवश्यक सामग्री तथा खिलौनों सहित 16 वस्तुओं से सुसज्जित किटों का वितरण किया।

इसीक्रम में उन्होंने चिन्हित क्षय रोगियों को पोषण किट का वितरण, प्रधानमंत्री मातृ वन्दना योजना के अन्तर्गत पांच लाभार्थियों कोकार्ड व पास बुक वितरण, सी0एस0आर0 के अन्तर्गत फ्रन्टियर एलॉय स्टील लिमिटेड, फिक्की फ्लो एवं अमर उजाला फाउण्डेशन कोउनके द्वारा दिये गये अभूतपूर्व सहयोग हेतु प्रशस्ति पत्र वितरण, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन योजना के अन्तर्गत पांच लाभार्थियों को 2 करोड़ 18 लाख का चेक वितरण भी किया। कार्यक्रम में राज्यपाल जी ने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अन्तर्गत समूह कीसाक्षर महिलाओं के माध्यम से समूह की निरक्षर महिलाओं को साक्षर किये जाने हेतु ह्यह्यअक्षरारंभ कार्यक्रमह्यह्य का शुभारंभ बटन दबाकरकिया। उन्होंने इस अवसर पर प्रदर्शित एक मिनट की लघु मूवी का अवलोकन भी किया।

इस अवसर पर सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा कि बच्चें देश का भविष्य हैं , देश और समाज की प्रगति तभी संभव है जब बच्चे औरबच्चियां समान रूप से आगे बढ़े। उन्होंने इसके लिए जनपद कानपुर देहात के उद्योगपतियों को विशेष रुप से आह्वान कियाकि वे सी0एस0आर0 में ज्यादा से ज्यादा योगदान दें, जिसका उपयोग बच्चों और समाज के हित में किया जा सके।

समारोह में राज्यपाल जी ने 100 आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को किट मिलने पर बधाई दी तथा इसके लिए जिला प्रशासन की विशेष रूपसे प्रशंसा की। उन्होंने उस टीम की भी प्रशंसा की जो सुदूर स्थित बच्चों को कंप्यूटर में दक्ष बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि समाज के उनतबकों तक अपने ज्ञान और तकनीक को पहुंचाना है जहां तक इसकी पहुंच सुनिश्चित नहीं हो पाती है। क्षय रोग से मुक्ति पर चर्चा करतेहुए राजयपाल जी ने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री जी का लक्ष्य है की वर्ष 2025 तक सभी टीवी रोग से मुक्त हो, इस कार्यक्रम मेंसमाज के सभी

जिम्मेदार लोगों को जोड़ना चाहिए।

इस मौके पर राज्यपाल महोदया द्वारा फ्रन्टियर एलॉय स्टील्स लिमिटेड द्वारा गांव गांव तक कम्प्यूटर शिक्षा को सुलभ बनाने केउद्देश्य से एकल कम्प्यूटर लैब वाहन, फिक्की फ्लो तथा अमर उजाला फाउण्डेशन के सम्मलित प्रयास से संचालित स्वास्थ्य, वित्तीयतथा डिजिटल साक्षरता हेतु सचल जागरूकता वाहन तथा राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अन्तर्गत ब्लड कलेक्शन एवं ट्रान्सपोर्टेशनवैन को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया, जिसके उपरान्त उन्होंने बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग, एन0आर0एल0एम के अन्तर्गतपंजीकृत स्वयं सहायता समूहों एवं आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों द्वारा स्टॉल के माध्यम से प्रदर्शित किये गये कार्यो का भी अवलोकन किया।

इस मौके पर केंद्रीय राज्य मंत्री भानु प्रताप वर्मा, कैबिनेट राज्यमंत्री राकेश सचान, सांसद देवेंद्र सिंह भोले, राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिभाशुक्ला, आदि जनप्रतिनिधिगण सहित जिलाधिकारी नेहा जैन, अन्य जनपदीय अधिकारी/कर्मचारी तथा भारी संख्या में लाभार्थीउपस्थित रहे।

एसजीपीजीआई ने फिर स्थापित किया नया मील का पत्थर....

8 वर्ष बच्चे का रोबोटिक्स विधि से निकाला एड्रेनल ग्रंथि का ट्यूमर

▶▶ डॉ. ज्ञान चंद ने 8 वर्ष बच्चे का रोबोटिक्स विधि से निकाला एड्रेनल ग्रंथि का ट्यूमर

▶▶ उत्तर प्रदेश में पहली एवं संपूर्ण भारत के किसी भी सरकारी संस्थान में होने वाली पहली ऐसी सर्जरी की गई जिसमें किसी बच्चे की एड्रेनल ग्रंथि के ट्यूमर को पोस्टीरियर रेट्रो पेरिटोनियो स्कॉपिक विधि से रोबोट द्वारा निकाला गया है।

करण वाणी, न्यूज

लखनऊ। हरौनी , लखनऊ निवासी 08 वर्षीय विशाल (परिवर्तित नाम) के दाहिनी एड्रिनल ग्रंथि में ट्यूमर हो गया था, जो लगातारबढ़ रहा था और जाँच करने पर पता चला उससे कोर्टिसोल नामक हार्मोन अधिक मात्रा में स्त्रावित हो रहा था जिसे कुशिंग सिंड्रोम कहते है, जिसके कारण बच्चे का ब्लड प्रेसर बहुत बढ़ गया था और उसके लिए उसको ब्लड प्रेसर की दो से ज्यादा दवाइया लेनी पद रही थी फिर भी बीच में बीच में उसका ब्लोड्ड प्रेशर बढ़ जाता था। इसके अलावा इस हॉर्मोन की अधिकता से उसका चेहरा सूज कर चाँद कीतरह गोल हो गया थ , गर्दन में बैल की तरह का कूबड़ निकल आया था, पेट मोटा हो गया था तथा चेरे पर बाल व मुहासे निकल आयेथे जिससे आठ साल का बच्चा १३झ१४ साल का लगने लगा था। इसको लेकर बच्चे के माता पिता बहुत ही परेशान रहने लगे और सीटी स्कैन कराने पर पता चल की बच्चे के दाहिने एड्रेनल ग्रंथि जो की गुर्दे के ऊपर होती है , उसमे ट्यूमर है और आगे जांचो से ज्ञात हुआकी सारी तकलीफ ट्यूमर से निकलने वाले कोर्टिसोल नामक हॉर्मोन की वजह से है। इन सब परिस्थितियों को देखते हुए बच्चे को डॉज्ञान चंद, एंडोक्राइन सर्जन के पास पी जी आई , लखनऊ के पास रेफेर कर दिया गया। डॉ ज्ञान चंद ने मरीज को भर्ती करकेएंडोक्रिनोलोजिस्ट की मदद से पहले बच्चे का ब्लड प्रेसर कंटोरल किया फिर अन्य जांचे करा कर उसका उपचार किया। जांचो से पताचला की ट्यूमर बहुत ही जटिल है और अस पास के अंगो से चिपका हुआ है तो डॉ ज्ञान चंद ने परिजनों को बताया की यदि पोस्टीरियररेट्रो पेरिटोनियो स्कॉपिक रोबोटिक अड्रेनलेक्टोमी विधि द्वारा इसका ऑपरेशन किया जाये तो बच्चे को काम तकलीफ से टूमओर कोनिकाला जा सकता है। इस विधि से ऑपरेशन करने पर मरीज को कम दर्द होता है , तेजी से ठीक हो जाता है , ट्यूमर भी पूरानिकल जाता है , उलझने काम होती है और पारम्परिक रोबोटिक एड्रेनल सर्जरी से खर्चा भी काम आता है।

परिजनों की सहमति के बाद बीते शुक्रवार को डॉ ज्ञान चंद ने ढाई घंटे चले ऑपरेशन द्वारा विशाल के पेट से रोबोटिक विधि द्वारासफलता पूर्वक एड्रेनल टूमओर को पीठ की तरफ छोटे से छेद द्वारा निकल दिया। ऑपरेशन में डॉ ज्ञान चंद के साथ उनकी टीम में डॉ अभिषेक कृष्णा , डॉ दिब्या व डॉ रीनेल शामिल रहे साथ ही एनेस्थीसिया में डॉ अमितरस्तोगी , डॉ संजय धिराज और उनकी टीम ने सहयोग किया ।

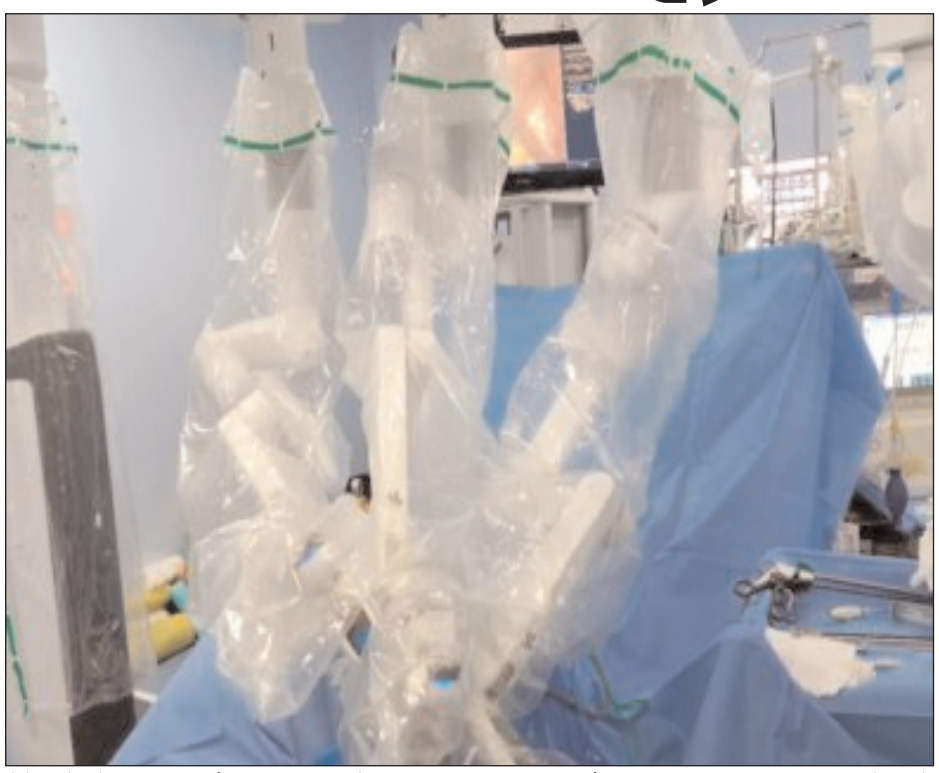

उक्त ऑपरेशन व बीमारी के बारे में जानकारी देते हुए डॉ ज्ञान चन्द ने बताया कि रोबोटिक पोस्टीरियर रेट्रो पेरिटोनियो स्कॉपिकअड्रेनलेक्टोमी विधि द्वारा एड्रेनल ट्यूमर की सर्जरी में बिना पेट में गए , पीठ की तरफ से बहार से ही रोबोटिक सर्जरी द्वारा छोटे

सेछेद से एड्रेनल ट्यूमर को निकाला जाता है पूरी प्रक्रिया बेहद जटिल है किन्तु मरीज को भविष्य में आने वाली कठिनाइयों से राहत देनेवाली है क्योंकि कुशिंग सिंड्रोम में अमूमन मरीज को शल्य चिकित्सा के बाद इन्फेक्शन होने का तथा हर्निया बनाने का खतरा अधिकरहता है , जिससे मरीज को लम्बे समय तक अस्पताल में भर्ती रहना पड़ जाता है या उसे बार बार ऑपरेशन कराने की आवस्यक्ता पड़जाती है। लेकिन रोबोटिक पोस्टीरियर रेट्रो पेरिटोनियो स्कॉपिक विधि द्वारा ऑपरेशन करने पर ऐसा नहीं होता । डॉ ज्ञान बताते हैंकि ऐसी कठिन रोबोटिक सर्जरी करने की प्रेरणा उन्हें एसजीपीजीआई के निदेशक डॉ आरके धीमान से मिली डॉ धीमन लंबे समय सेचाहते थे की संस्थान में मरीजों के लिए जो कुछ भी बेहतर हो उसे संभव किया जाए साथ ही डॉ ज्ञान ने अपने विभागाध्यक्ष डॉ गौरवअग्रवाल के मार्गदर्शन को भी सराहा , उत्तर प्रदेश में इस प्रकार की पहली रोबोटिक सर्जरी हुई है एवं संपूर्ण भारत में किसी भी सरकारीसंस्थान में होने वाली पहली ऐसी सर्जरी है जिसमें एड्रेनल ट्यूमर को बच्चे में पोस्टीरियर रेट्रो पेरिटोनियो स्कॉपिक विधि द्वारा रोबोटसे निकाला गया है।

140 करोड़ व्यक्ति और एक कानून...

डॉ. रजनीश सिंह
चिकित्सक, मीडिया प्रभारी
भाजपा/अयोध्या

करण वाणी, न्यूज

समान नागरिक संहिता सही मायनों में ऐसा कानून होगा जो भारत के अंदर सामाजिक समरसता का भाव पैदा करेगा। भारत के लिएभारत के अंदर जो बराबरी का सपना बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर, हमारे पित्र पुरुष श्रद्धेय दीनदयाल उपाध्याय जी व श्यामा प्रसादमुखर्जी ने देखा था उसको धरातल पर उतारने का काम उनके अनुयायियों द्वारा किया जाना बड़े उल्लास एवं हम सबके लिए गर्व की बातहै। यह हमें गौरव की अनुभूति भी कराता है ।

भारत एक देश ही नहीं बल्कि एक ऐसी परंपरा का संवाहक है जहां पर अतिथि देवो भवः एवं वसुधैव कुटुंबकम हमारे आदर्श वाक्य है, आजादी के बाद से हमारे देश में शरण लेने वाले शरणार्थी से लेकर नागरिक तक वो किसी भी धर्म या जाति के रहे हो उनकी संख्या मेंआज तक गिरावट नहीं आई है बल्कि बढ़ोतरी हुई है। आज हम दुनिया के किसी देश पर जब कोई संकट आता है तो मदद का हाथसबसे पहले आगे करने वालों में अग्रणी भूमिका निभाते हैं। मदद करने से पहले हम उस देश की संस्कृति सभ्यता नहीं पूछते हैं।

कोरोना महामारी के समय भारतीयों के द्वारा अन्य देशों की मदद का लोहा आज पूरी दुनिया मान रही है ,यह हमारे वसुधैव कुटुंबकमका जीता जागता उदाहरण है। यह सब मैं इसलिए कह रहा हूं कि भारत के अंदर रहकर भारत का खाकर देश के उन तमाम लोगों कोसमयझसमय पर उकसाने का प्रयास करने वाले कथित समाजसेवी संगठन का चोला ओढ़े कथित समाजसेवियों के द्वारा पहले कश्मीरकी धारा 370 के नाम पर नागरिकता कानून के नाम पर विदेशी फंडिंग के जरिए लगातार उकसाने का प्रयास किया जाता रहा है लेकिनउनके मंसूबे आज तक फेल ही रहे।

समान नागरिक संहिता सही मायनों में भारतीयों को एक सूत्र में पिरोने वाला कानून होगा जिसमें ना राज्यों की कोई सीमा होगी और नाधर्म का कोई बंधन सारे नागरिक भारतीय होंगे। किसी भी नागरिक को किसी भी नागरिक के प्रति हीन भावना या यह कहें कि किसी कोदेखकर उसके सुविधा के नाम पर

अपने अंदर हीनता नहीं महसूस होगी सही मायनों में ऐसे कानूनों की आवश्यकता देश को आजादी केतुरंत बाद भी थी लेकिन अफसोस इस बात का है कि पूर्ववर्ती सरकारों को ऐसे कार्यों के संपादित करने के लिए जिस इच्छाशक्ति कोदिखाएं की आवश्यकता थी वह उन पूर्ववर्ती सरकारों में नहीं थी और जो प्रधानमंत्री इसके प्रति संकल्पित थे उनके पास अपना खुद काबहुमत नहीं था। उनके सहयोगी दल ऐसे कानूनों के पक्ष में नहीं थे शायद यही वजह रही होगी कि वह प्रधानमंत्री अपना कार्यकाल कभीपूरा नहीं कर पाए लेकिन कुछ प्रधानमंत्री ऐसे भी थे जिन्होंने तुष्टीकरण की चाशनी में डूब कर यहां तक कह डाला कि देश के संसाधनोंपर पहला हक मुसलमानों का है। एक चुने हुए प्रधानमंत्री को ऐसे बयानों से बचना चाहिए था। यह तो भारत की एकता पर एक चुने हुएप्रधानमंत्री का आजाद भारत में सबसे बड़ा हमला था लेकिन भारत की संस्कृति भारतीय एकता की नीव इतनी मजबूत है की इस एकताकी नींव को हिला पाना सबके बस की बात नहीं है ऐसा बयान आने के बाद भारत की एक बड़ी आबादी ने अपनी सहिष्णुता का परिचयदेते हुए ऐसे बयानों का जवाब बुलेट से ना देकर बैलट से देने का काम किया यह खूबसूरती दुनिया के किसी देश में नही हैं, सिर्फ लोकतांत्रिक देश भारत में ही हैं ।

आजादी के बाद से देश में तमाम उठापटक देखे हैं। कई युद्ध लड़े जा चुके हैं। छद्म युद्ध तो आजादी केबाद से ही अनवरत चल ही रहे हैं इन्हीं सब चीजों को देखते हुए ऐसे कानूनों की जरूरत है जो सभी देशवासियों को एक सूत्र में पिरोएरखें और अंत में उन राजनीतिक दलों की विचारधारा को मेरी विनम्र श्रद्धांजलि होगी जो बिना इस कानून का ड्राफ्ट देखे ही पहले से हीमन बना कर बैठे हैं कि हमको इस कानून का विरोध करना है। भारत की जनता बहुत समझदार है उसे पता है कि कौन सा कानून हमारेहित में है और कौन सा अहित में है इसलिए किसी राजनीतिक दल को इस कानून के विरोध में झंडा लेकर चलने वाले पांच भारतीय भीनहीं मिलेंगे ।अगर यह कानून आता है तो सच में बहुत सौभाग्य की बात होगी और देश एकता के सूत्र में बंध जाएगा और इसका असरआने वाले आम चुनाव में जनता अपने बैलेट से अपना जनमत स्पष्ट कर देगी।

(इस लेख में लेखक ने अपने निजी विचार व्यक्त किए हैं। लेख में प्रस्तुत किसी भी विचार एवं जानकारी के प्रति करण वाणी उत्तरदायी नहीं है।)

लहुलूहान बंगाल के लिए नजीर है योगी का शांतिप्रिय यूपी

▶▶प. पंगाल में हुए त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में भारी हिंसा में मूकदर्शक बनी पुलिस व मतदानकर्मी, बैलेट की बजाय चलते रहे बुलेट

▶▶देश के सबसे बड़े राज्य यूपी में शांति से संपन्न हुए लोकसभा से लेकर नगर निकाय तक के चुनाव

करण वाणी, न्यूज

लखनऊ। प. बंगाल में पंचायत चुनाव में हुई हिंसा में एक दिन में लगभग 20 से अधिक लोगों की जान चली गई। चुनाव प्रक्रिया शुरू होने के बाद से यह आंकड़ा लगभग 40 का है। वहां वोटों की बारिश की बजाय बम और गोलियां चलीं। बैलेट की बजाय बुलेट चलते रहे। एक तरफ ममता बनर्जी के राज में बंगाल अराजक हो गया तो दूसरी तरफ योगी का यूपी देश के लिए नजीर है। देश का सबसे बड़ा राज्य होने के बावजूद यहां लोकसभा से लेकर हाल में संपन्न हुए नगर निकाय चुनाव तक में एक भी सीट पर मामूली से मामूली हिंसा तक नहीं हुई। शांतिपूर्ण चुनाव और बड़े आयोजनों से योगी की प्रसिद्धि देश के हर कोने तक पहुंच गई। लोकसभा की 80 और विधानसभा की 403 सीटों पर शांतिपूर्ण चुनाव योगी के प्रति जनआस्था का प्रतीक भी है।

लहुलूहान हो गया प. बंगाल, ममता सरकार कुंभकर्णी नींद में

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में प. बंगाल लहुलूहान हो गया। लोकतंत्र के इस उत्सव में जहां लोगों की रूचि रुझान जानने में होती है, वहीं प. बंगाल में इसके विपरीत सुबह से ही हिंसा होती रही। बूथों पर कब्जे हुए, जगह-जगह झड़प हुई, मतपत्र लूट लिए गए। सिर्फ एक दिन में ही 20 से अधिक और इस चुनाव प्रक्रिया के दौरान कुल लगभग 40 से अधिक लोगों की जान जाने और लगभग 100 के आसपास घायल होने की सूचना है, लेकिन ममता बनर्जी की सरकार कुंभकर्णी नींद में सोई हुई है। तृणमूल कांग्रेस के समर्थकों पर मतपेटी लेकर भागने व जलाने का भी आरोप है। यहां बैलेट पेपर पानी में तैरते मिले तो देर रात पुलिस की गाड़ी में आग लगा दी गई। हिंसा के प्रदेश प. बंगाल में खुलेआम चल रहीं गोलियों-बम से देश भी शर्मसार हो गया। केंद्रीय बलों की तैनाती के बाद भी हुई ऐसी घटनाएं ममता बनर्जी के लिए कलंक हैं।

यूपी में 2 लाख से अधिक पोलिंग स्टेशन, 12 करोड़ से अधिक मतदाताइलेक्शन कमीशन ऑफ यूपी की वेबसाइट पर नजर डालें तो 2021 में हुए पंचायत चुनाव में उत्तर प्रदेश में 12.43 करोड़ से अधिक मतदाता थे। इनमें से पुरुष मतदाता 6.59 करोड़ व महिला मतदाताओं की संख्या 5.84 करोड़ से अधिक रही। उत्तर प्रदेश के सभी 75 जिलों पर नजर दौड़ाएं तो यहां कुल पोलिंग स्टेशन 202482 थी। वहीं प. पंगाल में ग्राम पंचायत की 63229, जिला परिषद की 928 व पंचायत समिति की 9730 सीटों समेत कुल 61636 पोलिंग स्टेशन पर चुनाव हुए।

सबसे बड़ा राज्य यूपी, यहां हर सीटों पर शांतिपूर्ण व निष्पक्ष चुनाव

उत्तर प्रदेश देश का सबसे बड़ा राज्य है। यहां लोकसभा की 80, विधानसभा की 403 सीटें हैं। अभी हाल में संपन्न हुए नगर निकाय चुनाव में महापौर की 17, निगम पार्षद की 1420, नगर पालिका परिषद अध्यक्ष की 199, सदस्य की 5327, नगर पंचायत अध्यक्ष की 544 और सदस्य की 7177 सीटों पर चुनाव हुए, लेकिन एक भी सीट पर हिंसा की मामूली घटना भी सुनने को नहीं मिली। हर सीट पर शांतिपूर्ण चुनाव हुए, क्योंकि यूपी के पास योगी हैं। यूपी में कुंभ, जीआईएस, जी-20, राम मंदिर निर्माण के फैसले, अनेक पर्व-त्योहार हुए, लेकिन कहीं भी एक मच्छर नहीं मरा। इससे यह साबित होता

है कि योगी के राज में उत्तर प्रदेश खुली हवा में सांस ले रहा है।

मुर्शिदाबाद में सर्वाधिक मौतें हुईं

प. बंगाल में ग्राम पंचायत, जिला परिषद व पंचायत समिति की करीब 64 हजार सीटों पर मतदान हुआ। इनमें हिंसा की जबर्दस्त घटनाएं हुईं। सुरक्षा बलों की तैनाती के बाद भी काफी हिंसा हुई। यहां सर्वाधिक मौतों की सूचना मुर्शिदाबाद से प्राप्त हुई। यहां पांच लोगों की मौत की सूचना है। वहीं मालदा, पूर्व वर्धमान व कूचबिहार में दो-दो, दक्षिण 24 परगना, उत्तर 24 परगना, नदिया व उत्तर दिनाजपुर में एक-एक से अधिक मौतों की सूचना प्राप्त हो रही है। इसके साथ ही भाजपा समेत अन्य दलों के कार्यकर्ताओं की मौत का भी दावा किया जा रहा है।

यूपी की चुनावी संस्कृति शांति से रंगी है तो बंगाल की खूनी खेल से

योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में यूपी की चुनावी संस्कृति जहां शांति व सौहार्द के रंग से रंगी है तो वहीं ममता बनर्जी की लचर कार्यप्रणाली के कारण बंगाल में चुनावों में खूनी खेल आम बात है। 25 करोड़ उत्तर प्रदेश वासी जहां चुनावों को लोकतंत्र का उत्सव मानती है तो वहीं लगभग 10 करोड़ आबादी वाले प. बंगाल में हिंसा को आम बना दिया गया है। कई दशकों से अलगाववाद पर बढ़ रहे प. बंगाल में 2018 में हुए चुनाव में भी लगभग दो दर्जन से अधिक लोगों की मौत की बात सामने आई थी। यूपी में अनुमानित 2 लाख से अधिक पोलिंग स्टेशनों पर योगी सरकार शांतिपूर्ण चुनाव कराने में सफल रहती है।

कानून का राज स्थापित होने से हर किसी की जुबां पर योगी-योगी

2017 के पहले यूपी का हाल भी बहुत बुरा था, लेकिन सत्ता संभालने के बाद योगी आदित्यनाथ ने पुलिसकर्मी को खुली छूट दे दी कि कहीं भी कानून से खिलवाड़ हो तो आप किसी का इंतजार न करें, सीधे कानून बिगाड़ने वालों से निपटें। पुलिस को योगी की मिली यह छूट काफी कारगर रही और अशांत यूपी शांतप्रिय हो गया। यहां कानून का राज स्थापित हो गया। इसका परिणाम यह हुआ कि यूपी से नजरें फेरने वाले उद्योगपति भी यहां उद्योग लगाने को बेताब हो गए। कानून का राज स्थापित होने का परिणाम ही है कि हर किसी की जुबां पर योगी-योगी होने लगा और यूपी को जीआईएस के जरिए 36 लाख करोड़ के निवेश प्राप्त हुए। इससे रोजगार के लाखों अवसर सृजित होंगे और युवाओं के हाथों को काम मिलेगा।

नींबू की खेती, मेहनत कम मुनाफा ज्यादा

नींबू की खेती करने वाले किसानों के लिए सबसे बड़ी बात ये है कि इसकी फसल को एक बार बोने के बाद कई सालों तक इससे मुनाफा कमा सकते हैं, इससे कम खर्च पर ज्यादा लाभ भी मिल जाता है, नींबू का पौधा एक बार लगाने के बाद लगभग 10 साल तक पैदावार देता है, एक बार इसको लगाने के बाद इसकी देखभाल करने की ही जरूरत होती है, जिसमें ज्यादा खर्च भी नही आता है, और इसकी पैदावार हर साल बढती ही जाती है, जिससे मुनाफा भी बढ़ता जाता है।

नींबू की खेती

भारत देश में नींबू का उत्पादन दुनिया भर में सबसे ज्यादा किया जाता है, आज नींबू का उपयोग हर क्षेत्र में हो रहा है, लेकिन नींबू का सबसे ज्यादा उपयोग खाने में किया जाता है, जिसमें आचार बनाने में इसका उपयोग प्रचुर मात्रा में किया जाता है, जबकि खाने के अलावा इसका उपयोग आज फार्मासिटिकल कंपनियां, कॉस्मेटिक कंपनियां, दैनिक जीवन में काम आने वाली वस्तुओं (साबुन, टूथपेस्ट, बर्तन साफ करने की साबुन) में भी किया जा रहा है।

नींबू का पौधा छोटा और सघन झाड़ीदार होता है. इसकी शाखाएं भी ज्यादा बड़ी नही होती है. साथ ही इसकी शाखाएं काटेंदार भी होती है. नींबू के फूल का रंग सफेद होता है. लेकिन जब नींबू पूरी तरह से पककर तैयार होता है उस टाइम इसका रंग पीला होता है. नींबू स्वाद में खट्ठा होता है. जिस कारण इसका पी.एच. मान भी 2.4 होता है।

नींबू में विटामिन ए, बी और सी भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं. विटामिन सी की ज्यादा मात्र होने की वजह से नींबू को स्फूर्तिदायक और रोग निवारक फल भी माना जाता है. आज नींबू की कई तरह की किस्में विकसित की जा चुकी हैं. जिनसे बड़ी मात्रा में फल प्राप्त होते हैं. लेकिन देशी नींबू के पौधे आज भी ज्यादातर ग्रामीण लोगों के घरों में देखने को मिल जाते हैं।

उपयुक्त मिट्टी

नींबू को भारत के लगभग सभी हिस्सों में उगाया जा सकता है. लेकिन दक्षिण भारत में इसकी सबसे ज्यादा पैदावार होती है. नींबू के पौधे के लिए बलुई दोमट मिट्टी काफी उपयुक्त मानी गई है. इसके अलावा लाल लेटराईट मिट्टी और जिस मिट्टी का पी. एच. मान अम्लीय हो वहां भी इसे बड़ी मात्रा में उगाया जा सकता है. लेकिन इसके लिए तापमान का भी ध्यान रखना जरुरी होता है. क्योंकि सर्दियों का इस पर काफी ज्यादा प्रभाव पड़ता है।

जलवायु और तापमान

नींबू के पौधे के लिए जलवायु और तापमान दोनों का ही सबसे ज्यादा महत्व होता है. नींबू के पौधे को उपोष्ण कटिबन्धीय अर्ध शुष्क जलवायु वाले प्रदेशों में ज्यादा मात्रा में उगाया जाता है. और उष्ण जलवायु वाले प्रदेशों में दक्षिण भारत के ज्यादातर हिस्से आते हैं, जिस वजह से दक्षिण भारत में इसको सबसे बड़ी मात्रा में उगाया जाता है. इसके अलावा उत्तर भारत में इसको पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार, राजस्थान के भी कई हिस्सों में उगाया जाता है. पहाड़ी इलाकों में भी इसे अब आसानी से उगाया जा रहा है.

नींबू की खेती के लिए जितनी जलवायु और मिट्टी की उपयोगिता है, उससे कहीं ज्यादा इसके लिए तापमान की जरूरत है. क्योंकि जिन प्रदेशों में सर्दी ज्यादा टाइम तक बनी रहती है और पाला पड़ने की सबसे ज्यादा संभावना होती है, वहां इसकी खेती नही की जा सकती. पाला पड़ने की वजह से नींबू के पौधे को सबसे ज्यादा नुक्सान पहुँचता है. जिसका असर पैदावार पर तो देखने को मिलता ही है, साथ में पौधे के नष्ट होने की संभावना सबसे ज्यादा होती है।

नींबू की उन्नत किस्में

भारत में नींबू की कई किस्में पाई जाती हैं, जिनमें कागजी नींबू, प्रमालिनी, विक्रम, चक्रधर, पी के एम-1 और साईं शर्बती सबसे ज्यादा पसंद की जाने वाली किस्में है. भारत में इन किस्मों को सबसे ज्यादा मात्रा में उगाया जाता हैं।

कागजी नींबू

कागजी नींबू को भारत में बड़े पैमाने पर उगते हैं. साथ ही इसको सबसे महत्वपूर्ण किस्म भी माना जाता है. कागजी नींबू को खट्टे नींबू का पर्याय भी माना जाता है. कागजी नींबू में रस की मात्र 52% मानी जाती है. व्यापारिक रूप से इसकी फसल काफी कम बोई जाती है.

प्रमालिनी

नींबू की इस किस्म को व्यापारिक महत्व के लिए बड़ी मात्रा में बोया जाता है. प्रमालिनी किस्म का नींबू गुच्छों में लगता है. जिस कारण इसकी पैदावार कागजी नींबू से 30% ज्यादा होती है. इसके एक गुच्छे में 3 से 7 नींबू पाए जाते हैं. जबकि इसके फलों में रस की मात्रा 57% तक पाई जाती है।

विक्रम किस्म का नींबू

व्यापारिक रूप से विक्रम किस्म भी काफी उपयुक्त हैं. इस किस्म के पौधों में भी फल गुच्छों के रूप में ही लगते हैं. लेकिन विक्रम किस्म प्रमालिनी से ज्यादा फल देती है. इसके एक गुच्छे में 5 से 10 तक नींबू पाए जाते हैं. इस किस्म में बेमौसमी फल भी आते हैं. जिस कारण इस किस्म के पेड़ पर पूरे साल नींबू देखे जा सकते हैं. इन्हें पंजाब में पंजाबी बारहमासी के नाम से भी जाना जाता है।

चक्रधर

चक्रधर किस्म का नींबू अपने खट्टे स्वाद के साथ साथ बीज रहित होने की वजह से भी जाना जाता है. इस किस्म का पौधा अपने चौथे साल में फल देने के लिए तैयार हो जाता है. इस किस्म के फलों में रस की मात्रा सबसे ज्यादा 60 से 66% तक पाई जाती है।

पी के एम-1

व्यापारिक लाभ को देखते हुए इसे भी बड़ी मात्र में उगाया जाता है. इसमें भी रस की मात्रा 52% तक पाई जाती है. इसके फल का आकार काफी बड़ा होता है।

साई शरबती

इस किस्म को असम जैसे पहाड़ी इलाकों में बड़ी मात्रा में उगाया जाता है. इस किस्म के पौधे सबसे ज्यादा फल देने के लिए जाने जाते है. जिनका उत्पादन अन्य किस्मों से दुगना होता है. इसके अलावा इस किस्म के नींबू भी बीज रहित ही पाए जाते हैं. और इनका छिलका काफी पतला होता है।

खेत की जुताई

नींबू की पैदावार करने के लिए शुरूआत में खेतों को अच्छे से जोत ले, जिससे खेत समतल हो जाए और बारिश के पानी का भराव भी ना हो पाए. जैसा की हमने पहले बताया की इसकी पैदावार भारत के सभी हिस्सों में की जा सकती हैं. इस कारण इसे पहाड़ी इलाकों में लगाने के लिए बड़ी सावधानी की जरूरत होती है. पहाड़ीनुमा खेती में लगाते टाइम इसे मेंड़ पर लगाये।

खेत की जुताई

नींबू का पौधा एक बार में लगभग 10 साल से ज्यादा के टाइम के लिए लगाया जाता है, जिस कारण इसके खेत की जुताई एक बार ही की जाती है, लेकिन पौधे के लगाने के बाद इसकी नीलाई और गुड़ाई करनी काफी जरूरी होती है।

जमीन की जुताई करने के बाद खेत में गोबर की खाद डाल दें. जिसके बाद खेत की फिर से अच्छे से जुताई कर दें. और उसके बाद खेत को पौधे की रुपाई के लिए तैयार होने के लिए छोड़ दें. और जब पौधा लगाने का टाइम आयें उस वक्त उचित दूरी बनाते हुए खेत में गड्ढे बना दें।

पौधे की रुपाई का टाइम

खेत के तैयार हो जाने के बाद पौधे की रुपाई की जाती है. इसके लिए किसान भाई तैयार की हुई पौध लाकर उगा सकते हैं. इसके अलावा बीज से भी नई पौध तैयार कर उसे भी खेत में उगा सकते हैं. इसके लिए उन्नत किस्म के नींबू का बीज होना जरूरी होता है. लेकिन बीज लगाने पर मेहनत और टाइम दोनों बढ़ जाते हैं। नींबू के पौधे को खेत में लगाने के लिए जून से अगस्त का टाइम सबसे उपयुक्त माना गया है. क्योंकि इन दिनों बारिश का मौसम होता है. और पौधा काफी जल्दी तैयार होने लगता है. नींबू का पौधा लगाने के लगभग तीन से चार साल बाद ही फल देने के लिए तैयार होता है।

नींबू के पौधे को खेत में एक लाइन से लगभग 10 फिट की दूरी पर लगाए. लेकिन पौधे को लगाते टाइम उसके गड्ढे का आकार 60 सेंटीमीटर गहरा और 70 से 80 सेंटीमीटर चौड़ा होना चाहिए. एक हेक्टेयर में लगभग 600 पौधे लगाये जा सकते हैं।

ऊपरी कमाई

नींबू का पौधा चार साल में बनकर तैयार होता है. लेकिन इस बीच किसान भाई बीच में बची हुई जमीन में सब्जी या कपास जैसी फसल कर अन्य कमाई कर सकता है. जिससे तीन साल तक किसान भाई की खेत से उचित कमाई भी हो जाती है. लेकिन अन्य फसल बोते टाइम किसान भाई को खास ध्यान रखना होता है कि अगर वो बेलदार फसल उगाता है तो फसल की बेल पौधे पर नही चढ़नी चाहिए. क्योंकि इससे पौधे का विकास रुक जाता है. जिससे फल लगने में और भी ज्यादा वक्त लग सकता है.

पौधे की सिचाई

नींबू की फसल को ज्यादा सिंचाई की जरूरत नही होती. लेकिन हर बार सिंचाई में पानी इतनी ही मात्रा में देना चाहिए, जिससे भूमि में पानी की नमी 4-6 प्रतिशत तक बनी रहे. जिसके लिए इसकी सिंचाई एक नियमित अंतराल पर ही की जानी चाहिए. लेकिन सर्दियों में फसल को सर्दी से बचने के लिए सप्ताह में एक बार पानी जरुर देना चाहिए. जब पौधा तीन या चार साल बाद बनकर तैयार हो जात हैं. और फल देना शुरू कर देता है, उस टाइम पौधे को पानी की जरुरत काफी ज्यादा होती है. इसलिए जब पौधे पर फूल खिलने लगे तो उसमें पानी की कमी ना होने दे. लेकिन ज्यादा पानी भी पौधे को ना दें, क्योंकि इससे पौधे की जड़ें खराब हो जाती है. जिसका असर पौधे से मिलने वाली पैदावार पर ज्यादा देखने को मिलता है।

पौधे का रखरखाव और सुरक्षा

पौधे को खेत में लगाने के बाद उसका रखरखाव करना काफी कठिन होता है. क्योंकि नींबू के पौधे को आवारा और जंगली पशु खा सकते हैं. जिनमें बकरी का सबसे ज्यादा ध्यान रखना चाहिए. क्योंकि बकरी के खाने के बाद पौधे का विकास रुक जाता है. बकरी में मुख से निकलने वाली लार के कारण पौधे को तैयार होने में एक साल ज्यादा का टाइम और लगता है।जब पौधा बड़ा हो जाए तो उसकी गुड़ाई हमेशा तीन चार महीने के अंतराल में हलकी हलकी करनी चाहिए. लेकिन एक साल में पेड की जड़ों की मिट्टी निकालकर उसमें देशी खाद भर देना चाहिए. इसके साथ ही जब पौधे पर फूल या फल ना हो उस टाइम पेड की सुखी हुई शाखाओं को हटा देना चाहिए. शाखाओं को अधिकांशत गर्मियों के मौसम में ही हटायें।

पौधों को लगने वाले रोग और उनका उपाय

नींबू के पौधें में काफी तरह के रोग लगते हैं. जिनमें कैंकर, गोंद रिसाव और एन्थ्रेकनोज मुख्य रोग माने जाते हैं. कैंकर के रोग के नियंत्रण के लिए स्ट्रेप्टोमाइसीन सल्फेट का छिडकाव 15 दिन में दो बार कर देने से पौधे को काफी फायदा मिलता है. जबकि एन्थ्रेकनोज के लिए बोर्डो मिश्रण का छिडकाव कर दें. लेकिन इन मुख्य रोग के अलावा और भी कई रोग नींबू में पाए जाते हैं जो कीटों की वजह से होते है।

रस चूसने वाले कीट

सिटरस सिल्ला, सुरंगी कीट, चेपा ये कुछ ऐसे किट है जो पेड़ की शाखाओं और पत्तियों का रस चूसकर उन्हें खतम कर देते हैं. जिसकी वजह से पौधे की पत्तियां काफी विकृत नजर आती हैं. सिटरस सिल्ला और सुरंगी कीट की रोकथाम के लिए मोनोक्रोटोफॉस का छिडकाव पौधों पर के देना चाहिए, इसके अलावा इन कीटों की वजह से अगर पौधे की शाखाएं सुख जाए तो उन्हें काटकर जला दें, ताकि रोग आगे ना बढ़ सके।

गोंद रिसाव

गोंद रिसाव का रोग ज्यादा पानी भरे रहने की वजह से ज्यादा होता है. जिस कारण पौधे की जड़ गलने लगती है. और पौधे का रंग पीला पड़ने लगता है. धीरे धीरे पूरा पौधा ही नष्ट हो जाता है. इससे बचाव के लिए पानी का नियंत्रण होना जरूरी है. इसके अलावा मिट्टी में 0.2% मैटालैक्सिल, टे-72 + 0.5% और ट्राइकोडरमा विराइड को मिट्टी में डालने पर लाभ मिलता है।

काले धब्बे

काले धब्बे का रोग फल को लगता है. जिस कारण नींबू पर कुछ काले धब्बे नजर आने लगते है. जिसके लिए पेड़ को शुरूआत में भी पानी से साफ कर देना चाहिए. आगे ऐसा ना करते है तो बाद में नींबू पर इनकी संख्या बढ़ने लग जाती है. जिसे धफड़ी रोग कहते हैं. इससे नींबू पर सलेटी रंग की एक परत बन जाती है. इसके प्रभाव से नींबू तैयार होने के साथ ही खराब होने लगता है. इसके बचाव के लिए सफेद तेल और कॉपर को मिक्स करके पानी में मिलाकर छिडकाव करना चाहिए।

पत्तियों में सफेद धब्बे का रोग

इस रोग में नींबू के पौधों के ऊपरी भाग पर सफेद रुई की तरह डब्बे दिखाई देने लगते हैं. जिस कारण पौधे के पत्ते पीले होने लगते हैं और वो धीरे धीरे मुड़ने लगते हैं. साथ ही पत्तियों पर कई विकृत लेने बन्ने लगती है. इस रोग की वजह से पत्तियों का उपरी भाग सबसे ज्यादा प्रभावित होता हैं. और नए फल तैयार होने से पहले ही खराब होकर गिर जाते हैं. इस तरह के रोग से बचाव के लिए जब इस रोग की शुरूआत हो तभी रोग लगी इन पत्तियों को हटाकर उन्हें जला दे. और यदि रोग ज्यादा बढ़ जाए तो कार्बेनडाजिम की स्प्रे सात दिनों के अंतराल में तीन बार करें।

जिंक और आयरन की कमी

पौधे में जिंक और आयरन की कमी की वजह से पौधे की पत्तियों का रन पीले रंग का होने लगता है. जिसके बाद जल्द ही पत्तियां गिरने लग जाती हैं. और पौधा धीरे धीरे झाड़ियों के रूप में दिखाई देने लगता हैं, इस तरह के रोग के बचाव के लिए पौधे को देशी खाद देना जरूरी होता है. इसके अलावा 10 लीटर पानी में 2 चम्मच जिंक घोलकर डालने से फायदा होता है।

पौधे को उर्वरक की मात्रा

पौधे को खेत में लगाने के बाद किसी अन्य खाद से ज्यादा देशी गोबर के खाद का ज्यादा इस्तेमाल करना चाहिए. शुरूआती साल में पौधे को 5 किलो देशी गोबर की खाद दें. जिसके बाद दूसरे साल 10 किलों खाद दे. और जब पौधे में फल आने लगे तब 15 किलो गोबर की खाद दे. और अगर गोबर की खाद के अलावा मुर्गे की बिट वाला खाद हो तो वो फल के लिए सबसे उपयुक्त माना जाता है।

गोबर की खाद के अलावा पौधों को शुरूआती साल में 300 ग्राम तक यूरिया दें . जिसके बाद पौधे के बड़े होने के साथ साथ इसकी मात्रा में थोड़ी बढ़ोतरी करते रहे. लेकिन यूरिया की खाद को पौधों को सिर्फ ठंड के महीनों में ही दें. इसे एक साथ ना देकर दो या तीन बार में दें।

फसल की कटाई

नींबू की फसल फूल आने लगभग तीन से चार महीने बाद तैयार हो जाती है. जिसके बाद पूरी तरह से पके हुए नींबू को पौधे से अलग कर दें. पके नींबू को अलग करने के दौरान ध्यान रखे की उसके साथ बिना पका नींबू ना टूटे. क्योंकि इनकी पैदावार गुच्छों में होती है. जिस कारण फल अलग अलग टाइम पर पककर तैयार होते हैं।

फसल की कटाई

पौधे से तोड़ने के बाद नींबू को अच्छे से साफ कर लें. इसके लिए क्लोरीनेटड की 2.5ग्राम मात्रा को एक लीटर पानी में मिलाकर घोल तैयार करें जिसके बाद उसे उसमें नींबू को डालकर साफ करें. जिसके बाद नींबू को उसमें से निकालकर किसी छायादार जगह पर सुखाने दे, ऐसा करने से फल और ज्यादा चमकदार बन जाता है।

पैदावार और लाभ

नींबू का पौधा तीन साल बाद फसल देने के लिए तैयार होता है. टाइम बढ़ने के साथ साथ पैदावार भी बढ़ने लग जाती है. पौधा पूरी तरह से विकसित होने के बाद सालाना लगभग 40 किलो तक पैदावार देता है. जिससे किसान भाई शुरूआती साल में 3 लाख तक कमाई कर सकता है. लेकिन जैसे जैसे टाइम बढ़ता है वैसे वैसे कमाई भी बढ़ती जाती है।

हिन्दी साप्ताहिक
करण वाणी

तमन्ना भाटिया ने डांस का वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है, जहां तमन्ना भाटिया बांसुरी की धुन पर नाच रही है इसके साथ ही दो अन्य लड़कियां और है, तमन्ना भाटिया का ये अंदाज इंटरनेट पर छा गया, लोगों को ये वीडियो काफी पसंद आ रहा है।

पस्त हुई 'आतंकवाद' पर बनी 72 हूरें

संजय पूरन चौहान की निर्देशित फिल्म 72 हूरें को रिलीज हुए तीन दिन हो गए हैं। इन तीन दिनों में फिल्म ने बहुत कम कमाई की है खासकर रविवार को जिससे मेकर्स को काफी उम्मीदें थीं। यहां जानिए आतंकवाद पर बनी 72 हूरें ने तीसरे दिन बॉक्स ऑफिस पर कितना कलेक्शन किया है।

करण वाणी, न्यूज

नई दिल्ली। 'द केरल स्टोरी' की तरह जिस फिल्म को सबसे ज्यादा विवाद झेलना पड़ा, वो '72 हूरें' है। टीजर और ट्रेलर रिलीज के बाद से ही फिल्म को लेकर मामला गरमाया हुआ था। हालांकि, अब फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज तो हो गई है, लेकिन दर्शकों को खींच पाने में नाकामयाब साबित हो रही है।

7 जुलाई 2023 को थिएटर्स में रिलीज हुई '72 हूरें' हुई। इस हफ्ते ज्यादा फिल्में बड़े पर्दे पर नहीं आईं, इसके बावजूद '72 हूरें' दर्शकों को थिएटर्स में नहीं खींच पाई। ओपनिंग कलेक्शन बहुत कम रहा। उम्मीद शनिवार-रविवार से की जा रही थी, लेकिन वीकेंड पर भी रफ्तार बहुत धीमी रही। आइए, बताते हैं कि फिल्म ने तीसरे दिन कितना कलेक्शन किया।

72 हूरें का तीसरे दिन का कलेक्शन

नेशनल अवॉर्ड विनिंग फिल्म मेकर संजय पूरन सिंह की फिल्म '72 हूरें' का हाल वीकेंड पर भी बेकार रहा। रविवार को फिल्म के कलेक्शन में बढ़ोत्तरी तो हुई, लेकिन कुछ खास नहीं। सैकनिल्क के अर्ली ट्रेड के मुताबिक, रविवार को मूवी ने सिर्फ 47 लाख रुपये की कमाई की है। हालांकि, सही आंकड़े कम और ज्यादा भी हो सकते हैं।

72 हूरें का कुल कलेक्शन

शुक्रवार को बड़े पर्दे पर आई '72 हूरें' का ओपनिंग डे का कलेक्शन बहुत ज्यादा ही सुस्त रहा। फिल्म ने पहले दिन सिर्फ 35 लाख रुपये की कमाई की थी। दूसरे दिन ये आंकड़ा बढ़ा और फिल्म ने शनिवार को 45 लाख रुपये का कारोबार किया। तीन दिनों में ये फिल्म सिर्फ 1.26 करोड़ रुपये का ही कलेक्शन कर पाई है।

क्या है 72 हूरें की कहानी?

'72 हूरें' की कहानी आतंकवाद और आतंकवादी पर आधारित है। इस फिल्म में दिखाया जाता है कि कैसे मासूमों को बहलाया-फुसलाया जाता है और उन्हें आतंकवाद में धकेला जाता है। ब्लैक एंड व्हाइट में बनी '72 हूरें' मुंबई के गेट वे ऑफ इंडिया के बम ब्लास्ट के पीछे की कहानी बयां करती है। फिल्म बताती है कि कैसे आतंकवादी ऐसा करवाने के लिए मासूमों का ब्रेन वॉश करते हैं और उन्हें बहलाते हैं कि अगर वे ये करेंगे तो उन्हें '72 हूरें' में जन्नत नसीब होगी।

शाहरुख की 'जवान' के साथ आ सकता है सलमान की 'टाइगर 3' का टीजर

करण वाणी, न्यूज

शाहरुख खान ने 'पठान' से चार साल बाद वापसी की. फिल्म ने दुनियाभर से 1000 करोड़ रुपए से ज्यादा की कमाई की. इस फिल्म को आदित्य चोपड़ा की यशराज फिल्म्स ने प्रोड्यूस किया था. 'पठान' को इंटरनेशनल मार्केट्स में भी बड़े लेवल पर रिलीज किया गया था. इसके बाद खबर आई कि 'जवान' को भी इंटरनेशनल मार्केट में फ्रख्री डिस्ट्रिब्यूट करेगी. इसकी आधिकारिक घोषणा भी हो चुकी है. फ्रख्इस मौके पर भुनाना चाहती है।

अब कुछ रिपोर्ट्स में ऐसा दावा किया जा रहा है कि यशराज फिल्म्स 'जवान' के साथ 'टाइगर 3' का प्रोमोशनल मटीरियल अटैच कर सकती है. फ्रख्र अपनी फिल्मों को लेड बैक एटिट्यूड के साथ प्रमोट करती है. बेसिकली वो लोग ज्यादा प्रमोशन नहीं करते. 'पठान' के साथ उनकी ये स्ट्रैटेजी जबरदस्त काम कर गई. हालांकि इसमें शाहरुख के चार साल के गैप का भी हाथ था. इसलिए नवंबर में रिलीज के लिए शेड्यूल्ड 'टाइगर 3' का ट्रेलर तो वो सितंबर में 'जवान' के साथ रिलीज नहीं करेंगे. ये फिल्म का टीजर हो सकता है।

'टाइगर 3' से अब तक अनाउंसमेंट वीडियो के अलावा एक पोस्टर बाहर आया है. जबकि फिल्म बनकर तैयार हो चुकी है. अगस्त में फिल्म का फाइनल कट रेडी हो जाएगा. उम्मीद है कि 15 अगस्त के आसपास फ्रख्र फिल्म के मोशन पोस्टर्स रिलीज कर सकती है. 'जवान' के साथ सितंबर में फिल्म का टीजर आ सकता है. अक्टूबर में 'टाइगर 3' का ट्रेलर रिलीज हो सकता है. ये सिर्फ अटकलें हैं. यशराज फिल्म्स अभी 'टाइगर 3' का ज़िक्र भी नहीं कर रही।

अब थोड़ी बात 'जवान' की. 10 जुलाई को फिल्म का पहला ट्रेलर रिलीज किया जाएगा. उसके बाद गाने आएंगे. फिर अगस्त के दूसरे हफ्ते में 'जवान' का फाइनल ट्रेलर आने की बात कही जा रही है. 'जवान' को एटली ने डायरेक्ट किया है।

'टाइगर 3' को मनीष शर्मा ने बनाया है. सलमान और कटरीना के अलावा इस फिल्म में इमरान हाशमी, रणवीर शौरी और विशाल जेठवा जैसे एक्टर्स नजर आएंगे. 'पठान' के किरदार में शाहरुख खान का कैमियो होगा. ये फिल्म 10 नवंबर को दीवाली के मौके पर रिलीज हो रही है।

साहित्य, करण वाणी

वन एवं जल संरक्षण

जल संरक्षित न करते हम सब,
तालाबों को न भरते हम सब॥
जल तो बर्बाद करते दिन भर,
चिंता कभी न करते हम सब,
जल के अभाव में पलते हम सब,
खुद का जीना खुद ही दुर्भर करते हमसब॥

नित नित पेड़ काटते हमसब,
जंगलों को बांटते हम सब॥
और न कोई पेड़ लगाते हम सब,
ताजी हवा को तरसते हम सब॥
बादल भी नही बरसते हमपर ॥
खुद का जीना खुद ही दुर्भर करते हम सब

ऐसा वक्त भी आयेगा इक दिन
कोई पानी पी न पाएगा इक दिन॥
फिर बिन पानी बिन पेड़ो के आखिर,
जीवन कैसे संभव होगा सोचो॥
यारो नाही मीलों कोई हवा चलेगी,
और ना ही छांव दिखेगीं कोसो॥

मानवता तो मानो खो चुका हो जैसे,
और मानव बन गया हो जैसे कोई दानव।
काट रहा है नित वृक्ष हरे भरे सब,
कर रहा हो प्रकृति का सर्वनाश,
मच रहा विकट कृंदन ये कैसा,
वशुधा खो रही अपनी संपदा॥

सोच रहे मन ही मन ये पेड़ सभी और,
कर रहे हृदय में बस यही विचार ॥
क्या परिणाम मिला परमार्थ का आखिर,
क्यू वन से मुझको दिया निकाल॥
इक क्षणिक स्वार्थ खा गया हमें
अब,
जिससे वन को सारे दिया उजाड॥

पेड़ बिना ना जीवन संभव होगा,
और ना ही सांस चलेगी सोचो॥
घुट घुट कर मर जाओगे और,
फिर कैसे लाश जलेगी सोचो॥
पानी बिन न कोई अन्न उगेगा,
फिर आखिर कैसे बात बनेगी सोचो॥

पेड़ लगाओ और वर्षा पाओ,
बादल की कर दो भरमार॥
बादल बनने और बरसने से,
फिर होगा यारो सबका उद्धार॥
खेती होगी और हल चलेंगे,
पानी बरसेगा प्यास बुझेगी॥
ताजी हवा का होगा संचार॥

प्रभाकर सिंह रनवीर

बीजेपी सरकार तानाशाही को दे रही बढ़ावा: अखिलेश यादव

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा है कि बीजेपी सरकार का रवैया कुछ वर्गों के प्रति आक्रामक रहता है, आप उन्हें दिखा जो विभागउनके समाज से लगातार ये शिकायतें आ रही है कि सरकार उन्हें डरा धमका रही है।

करण वाणी, न्यूज

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने बीजेपी सरकार पर जमकर जुबानी हमला बोला है. सपाप्रमुख ने कहा है कि उत्तर प्रदेश में बीजेपी सरकार लोकतंत्र पर प्रहार कर रही है और तानाशाही को बढ़ावा दे रही है, अभिव्यक्ति कीस्वतंत्रता के साथ संवैधानिक संस्थाओं की स्वायत्तता पर लगातार हमले हो रहे हैं, पत्रकारों और समाजसेवियों के साथ मारपीट औरहत्या तक होने की घटनाएं हो रही हैं।

अखिलेश यादव ने कहा है, विपक्षी पार्टी के नेताओं पर फर्जी मुकदमें दर्ज किए जा रहे हैं. बीजेपी की झूठी बयानबाजी की पोल खुलतीजा रही है. उनके राज में अंधेरगर्दी मची है. जनहित में जनता को सच्चाई से अवगत कराना बीजेपी सरकार को बर्दाश्त नहीं. जिलासुल्तानपुर के बदहाल एएनएम सेंटर की सच्चाई दिखाने पर यूट्यूबर पत्रकार ललित यादव की गिरफ्तारी इस बात का प्रमाण है किभ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की बात बेमानी है. अखिलेश यादव ने कहा है, विपक्षी पार्टी के नेताओं पर फर्जी मुकदमें दर्ज किएजा रहे हैं. बीजेपी की झूठी बयानबाजी की पोल खुलती जा रही है. उनके राज में अंधेरगर्दी मची है. जनहित में जनता को सच्चाई सेअवगत कराना बीजेपी सरकार को बर्दाश्त नहीं. जिला सुल्तानपुर के बदहाल एएनएम सेंटर की सच्चाई दिखाने पर यूट्यूबर पत्रकारललित यादव की गिरफ्तारी इस बात का प्रमाण है कि भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की बात बेमानी है।

लगातार आ रही है शिकायतें

सपा प्रमुख ने कहा, बीजेपी सरकार का रवैया कुछ वर्गों के प्रति आक्रामक रहता है. उनके समाज से लगातार ये शिकायतें आ रही हैकि सरकार उन्हें डरा धमका रही है. भय और आतंक का माहौल बनाकर लोगों को डराना बीजेपी और आरएसएस का एजेण्डा है. बीजेपीऔर आरएसएस समाज में बंटवारे का खेल करने में माहिर है. बीजेपी और आरएसएस की नफरती

राजनीति से सामाजिक तानाबानाबिगड़ रहा है जबकि समाजवादी पार्टी लोकतंत्र और धर्मनिरपेक्षता के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा कि बीजेपी सरकार के भ्रष्टाचार की कहानियां अब सार्वजनिक रूप से कही सुनी जाने लगी है. भाजपा राज में सवा छहसाल में भ्रष्टाचार को भयंकर संरक्षण मिला है. जनता महंगाई, बेकारी और बढ़ती असहिष्णुता की शिकार है. 2024 के लोकसभाचुनाव में पीडीए ही अब बीजेपी की एनडीए सरकार को सत्ताच्युत करने को संकल्पित है. बात दें कि बीते कुछ दिनों में पीडीए फॉर्मूले कीकाफी चर्चा हुई है।

'कहर मचा रहे लोगों से हाथ मिलाना राहुल को मंजूरः स्मृति ईरानी

पश्चिम बंगाल में पंचायत चुनाव की वोटिंग के दौरान भारी हिंसा देखने को मिला। लोकतंत्र के पर्व में मातम पसर गया। हिंसा में 30 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई। इसे लेकर अब केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने ममता बनर्जी की सरकार पर निशाना साधा है।

बंगाल में चुनाव के दौरान हिंसा बेहद आम हो गई है। चुनाव के दौरान या फिर उसके बाद अक्सर वहां हिंसा देखने को मिलती है। इसे लेकर लोगों में दहशत का माहौल है। वहीं केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने ममता बनर्जी की सरकार पर निशाना साधा है।

केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने कहा, "पश्चिम बंगाल में पंचायत चुनाव में जिस प्रकार से लोकतंत्र की हत्या होते हुए लोग देख रहे हैं, जहां लोकतांत्रिक अधिकारों को जताने के लिए लोगों को मौत के घाट उतारा जा रहा है।

क्या है पूरा मामला?

पश्चिम बंगाल में पंचायत चुनाव के लिए मतदान की प्रक्रिया शनिवार को संपन्न हुई। इस दौरान शाम 5 बजे तक कुल 66.28 प्रतिशत मतदान हुए। पंचायत चुनाव में वोटिंग के दौरान माहौल काफी खराब हो गया। चारों तरफ हिंसा से अफरातफरी मचने लगी। इस दौरान कुल 21 लोगों की मौत हुई, जिसमें टीएमसी के 10, बीजेपी के 3, कांग्रेस के 3 और उढक्ट के 2 कार्यकर्ता व अन्य शामिल थे।

चुनाव में हुई हिंसा पर सियासत शुरू

भाजपा ने शनिवार को आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस सरकार के राज में पश्चिम बंगाल लोकतंत्र में हिंसा का दुखद उदाहरण बन गया है। टीएमसी पर निशाना साधते हुए भाजपा प्रवक्ता एवं राज्यसभा सदस्य सुधांशु त्रिवेदी ने कहा, पश्चिम बंगाल कला, संस्कृति और विज्ञान का केंद्र हुआ करता था। अब उसे ह्यअपराधों, राष्ट्र विरोधी गतिविधियों और खतरनाक तुष्टिकरण के लिए जाना जाता है। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की अगुवाई वाली सरकार अपराधियों को संरक्षण देकर चुनावों के दौरान हिंसा के लिए उनका इस्तेमाल कर रही है।

शिवभक्तों को श्री काशी विश्वनाथ के सुगम दर्शन के लिए योगी सरकार ने की पुख्ता तैयारी

▶▶योगी सरकार ने भक्तों के सुगम दर्शन, सुविधाओं और सुरक्षा के लिए किये हैं खास इंतजाम

▶▶बुजुर्गों, दिव्यांगजनों के लिए निःशुल्क ईझरिक्शा और व्हील चेयर का इंतजाम

करण वाणी, न्यूज

वाराणसी। नव्य, भव्य श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर विस्तारीकरण के बाद पहली बार सावन दो महीने तक रहेगा। सावन के प्रथम सोमवारसे पहले ही मुख्यमंत्री के निर्देश पर वाराणसी में सारी व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दे दिया गया है, जिससे शिवभक्तों को बाबा के सुगमदर्शन का अवसर प्राप्त हो सके। शिव भक्तों की भीड़ को देखते हुए योगी सरकार की ओर से विश्वनाथ धाम में सुरक्षा और सुविधा केबेहतर इंतजाम किये गये हैं। अधिकारियों के अनुसार श्रद्धालुओं को इस बार आधे घंटे के भीतर ही बाबा के दर्शन कराने की तैयारी है।बुजुर्गों दिव्यांगजनों के लिए निःशुल्क ईझरिक्शा और व्हील चेयर का इंतजाम होगा। कतारबद्ध होकर दर्शन के लिए बैरिकेडिंग लगाई गईहै। मंदिर प्रशासन ने भक्तों के लिए चिकित्सीय सुविधा के भी इंतजाम किये गये हैं।

काशी में आस्था का जनसैलाब उमड़ने की संभावना को देखते हुए योगी सरकार ने भक्तों के सुगम दर्शन, सुविधा और सुरक्षा के लिएखास इंतजाम किये हैं। श्री काशी विश्वनाथ धाम के एसडीएम शम्भू शरण ने बताया कि धाम में आने वाले भक्तों को 30 मिनट में दर्शनकराने का प्रयास होगा। श्रद्धालुओं के लिए रेड कार्पेट बिछाकर पुष्प वर्षा किया जाएगा। श्रीकाशी विश्वनाथ धाम में पहुंचते ही कईजगहों पर लगी बड़ी एलईडी टीवी से बाबा के दर्शन का सजीव प्रसारण होता रहेगा। इसके अलावा भक्तों के लिए पीने का पानी, पंखाकूलर आदि का इंतजाम भी किया गया है। साथ ही बरसात से बचाव के भी उपाय किये गए हैं।

एसडीएम ने बताया कि श्रद्धालुओं के लिए 5 जगहों पर चिकित्सा की व्यवस्था रहेगी। मैदागिन और गोदौलिया पर बुजुर्गों के लिए ई रिक्शा और व्हीलचेयर का निःशुल्क इंतजाम रहेगा। मंदिर प्रशासन ने लोगों से धाम और क्षेत्र को प्लास्टिक मुक्त रखने की अपीलकी है।

यूसीसी किसी एक धर्म का पक्ष नहीं लेता, लागू होने से होगी हर नागरिक के हितों की रक्षाः डॉ. राजेश्वर सिंह

▶▶ धर्म निरपेक्ष कानून है समान नागरिक संहिता, देश में लागू होने से होगी हर नागरिक के हितों की रक्षा

▶▶ डॉ राजेश्वर सिंह ने गिनाए यूसीसी के फायदे, कहाझ कम होगा न्यायपालिका का बोझ, महिलाएं होंगी सशक्त

करण वाणी, न्यूज

लखनऊ। समान नागरिक संहिता (यूसीसी) के लागू होने से देश के सभी धर्मों, पंथों और समुदायों के लोगों के लिए एक ही कानून होगा।यूसीसी भारत को धर्मनिरपेक्ष बनाने और एकीकृत करने का सबसे अच्छा तरीका है। इससे देश में धर्मनिरपेक्षता व सामाजिक एकता को बढ़ावा मिलेगा, अल्पसंख्यक अधिकारों की रक्षा होगी, न्यायपालिका पर बोझ कम होगा, महिला सशक्तिकरण होगा तथा देश की प्रगति की तीव्रता बढ़ेगी। यह बातें बीजेपी विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने राष्ट्रीय विचार अभियान द्वारा आयोजित समान नागरिक संहिता विषय पर सेमिनार में कहीं।

रविवार को गोमती नगर स्थित कसाया इन में आयोजित इस सेमिनार में डॉ. राजेश्वर सिंह मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे थे। यहां उन्होंने वर्तमान परिवेश में यूसीसी की आवश्यकता, इसके लागू होने से आने वाले परिवर्तन तथा इसके सकारात्मक पहलुओं से अवगत कराया।

उन्होंने कहा? कि यूसीसी किसी भी धर्म का पक्ष नहीं लेता। यह धर्मनिरपेक्ष कानून संहिता है। संविधान का अनुच्छेद 25 और अनुच्छेद 26 धर्म की स्वतंत्रता की गारंटी देता है। अनुच्छेद 44 में समान नागरिक संहिता का उल्लेख है, असल में यह धर्म की सच्ची व्याख्या है, यही सच्चा लोकतंत्र की परिभाषा है।

सेमिनार को संबोधित करते हुए डॉ. सिंह ने कहा कि अगर यूसीसी लागू होता है तो देशभर में सभी धर्मों के लिए विवाह, तलाक, बच्चा गोद लेने और संपत्ति के बंटवारे जैसे विषयों में सभी नागरिकों के लिए एक जैसे नियम होंगे। ऐसे ही गोद लेने को लेकर मुस्लिम, ईसाई, पारसी और यहूदी धर्म में कोई कानून नहीं है, लेकिन यूसीसी के लागू होने से गोद लेने का कानून सभी के लिए होगा। इससे माता पिता बच्चे के सुख से वंचित भी नहीं रहेंगे और अनाथ बच्चों का कल्याण होगा।

डॉ. राजेश्वर सिंह ने बताया कि यूसीसी के लागू होने से महिलाओं के अधिकारों और हितों की भी रक्षा होगी। मुस्लिम धर्म में बेटियों की शादी को लेकर कोई तय उम्र सीमा नहीं है लेकिन यूसीसी के लागू होने से देश की हर बे?टी को उसके अधिकारों से वंचित नहीं किया जासकेगा। तलाक को लेकर मुस्लिम महिलाओं को हलाला का सामना नहीं करना पड़ेगा। सिखों समुदाय को भी समान अधिकार मिलेगा।यूसीसी दोनों पतिझपत्नी को समान अधिकार देगा। मुस्लिम कानून में प्रत्येक बहन को संपत्ति का एक हिस्सा और भाई को दो हिस्से मिलते हैं। यूसीसी सभी महिलाओं को समान उत्तराधिकार प्रदान करेगा।

उन्होंने कहा कि इस्लाम में सामाजिक प्रतिबंध जैसे महिलाओं को अकेले यात्रा न करने दें, उसकी पसंद के अनुसार कपड़ों चुनने तक का अधिकार नहीं है, काम पर जाना या कार आदि चलाने पर पाबंदी है लेकिन यूसीसी में महिलाओं को समान अधिकार मिलेगें। यूसीसी केआने से 21वीं सदी में महिला अधिकारों की रक्षा होगी, बच्चों का भविष्य उज्ज्वल होगा इससे देश को आगे बढ़ने और विकसित होने मेंभी मदद मिलेगी।

उन्होंने बताया कि भारत में गोवा एकमात्र राज्य है जहां यूसीसी लागू है। दुनिया के कई देशों जैसे अमेरिका, पाकिस्तान, बांग्लादेश, मलेशिया, तुर्की, इंडोनेशिया, मिस्त्र और आयरलैंड में यूसीसी लागू है। सुप्रीम कोर्ट ने शाहबानो केस 1985, सरला मुद्गल केस 1995, पाउलो कॉटिन्हो बनाम मारिया लुइजा वेलेंटीना परेरा 2019 जैसे विभिन्न मामलों में यूसीसी को लागू करने की बात कही है।

बता दें कि डॉ. राजेश्वर सिंह निरंतर यूसीसी को लागू करने के प्रबल पक्षधर हैं। सोशल मीडिया पर भी वो लगातार इस मुद्दे को लेकर सक्रिय हैं। कुछ दिन पहले डॉ. राजेश्वर सिंह ने देश की भावी पीढ़ियों की रक्षा और सभ्यता के पोषण के लिए सभी नागरिकों से विधि आयोग के साथ अपनी बहुमूल्य राय साझा करने का आवाहन किया था।

कार्यक्रम में अध्यक्षता वरिष्ठ संघ प्रचारक राजेंद्र सिंह ह्यपंकजह्य ने की जिसमें विधान परिषद सदस्य अवनीश कुमार सिंह तथा प्रमुख सचिव, विधान परिषद डॉ. राजेश सिंह मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। राष्ट्रीय विचार अभियान के अध्यक्ष एवं सेवानिवृत्त न्यायाधीश दीनानाथ श्रीवास्तव, संगठन सचिव रवितेश प्रताप सिंह व महासचिव पंकज सिंह भी मौजूद रहे।

बंगाल हिंसा पर भड़के दिग्विजय, बोले- मैं ममता का प्रशंसक, लेकिन जो हो रहा वह डरावना

दिग्विजय सिंह ने पश्चिम बंगाल में जारी हिंसा की घटनाओं पर कहा कि बंगाल में पंचायत चुनाव में जो हो रहा है वह भयावह है। मैं ममता के धैर्य और दृढ़ संकल्प का प्रशंसक रहा हूं, लेकिन जो हो रहा है वह अक्षम्य है। वह हमारे लोकतंत्र के लिए अच्छा नहीं है।

करण वाणी, न्यूज

वरिष्ठ कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने सोमवार को पश्चिम बंगाल में छिटपुट विरोध प्रदर्शन और चुनाव के बाद हिंसा की घटनाएं जारी रहने के पर इस मुद्दे पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की। दिग्विजय सिंह ने इन घटनाओं को अक्षम्य बताते हुए ट्विटर पर लिखा कि बंगाल में पंचायत चुनाव में जो हो रहा है वह भयावह है। मैं ममता के धैर्य और दृढ़ संकल्प का प्रशंसक रहा हूं, लेकिन जो हो रहा है वह अक्षम्य है। हम जानते हैं कि आपने सीपीएम शासन में इसी तरह की स्थिति का बहादुरी से सामना किया था लेकिन अब जो हो रहा है वह हमारे लोकतंत्र के लिए अच्छा नहीं है।

बता दें, कांग्रेस नेता और मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह की टिप्पणी तब आई है जब राज्य चुनाव आयोग ने रविवार को घोषणा की कि बंगाल पंचायत चुनाव के लिए 696 बूथों पर सोमवार को पुनर्मतदान होगा, जहां ग्रामीण चुनाव के लिए मतदान शून्य घोषित कर दिया गया है। शनिवार को हिंसा से प्रभावित पंचायत चुनावों में, लोगों ने 2.06 लाख उम्मीदवारों के लिए 61,636 बूथों पर वोट डाले थे, जो राज्य में त्रि-स्तरीय पंचायत प्रणाली की 73,887 सीटों के लिए चुनाव मैदान में थे। एक अधिकारी ने कहा कि एसईसी ने रविवार शाम को एक बैठक की, जिसमें वोट से छेड़छाड़ और हिंसा की खबरों पर गौर किया गया, जिससे कई जगहों पर मतदान प्रभावित हुआ और आदेश पारित किया गया।

सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने राज्य के कई जिलों में हुई हिंसा में कांग्रेस, भाजपा और वाम दलों के शामिल होने का आरोप लगाया है। पश्चिम बंगाल के विभिन्न हिस्सों में रविवार को पंचायत चुनावों में हुई हिंसा और अनियमितताओं के आरोपों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन हुए। 20 जिलों में त्रिस्तरीय पंचायत चुनावों के दौरान करीब 18 लोगों के मारे जाने के एक दिन बाद सभी राजनीतिक दलों ने आरोप लगाया कि रविवार को उत्तर और दक्षिण बंगाल के कई हिस्सों में छिटपुट हिंसा जारी रही। शनिवार को हिंसा में मरने वालों की संख्या बढ़कर 19 हो गई, जिससे 9 जून से लेकर अब तक मरने वालों की संख्या 38 हो गई है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक सीमा सिंह द्वारा प्वांइट ऑफसेट, 86/98 कुर्मी टोला गुरुगोविन्द सिंह मार्ग, लालकुआं, लखनऊ-226018 से मुद्रित एंव पहाड़पुर, पोस्ट बंथरा, लखनऊ-226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।
सम्पादक- पंकज सिंह मो- 9415067370 E-mail:-karnvaninews@gmail.com website:- www.karnvaninews.com RNI-UPHIN/2016/74800